

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3 – Sub-section (ii)

प्राचिद्धार के प्रकाशित FUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 244] नर्ह दिल्ली, शुक्रवार, जून 20, 1986/ज्येष्ठ 30, 1908 No. 244] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 20, 1986 JYAISTHA 30, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ र स्या वी कारी है जिससे कि अह अलग संकलन के रूप में र लाजा नके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

श्रम भत्रालय

ग्र'वस् पना

नहीदना अनुन १६

का आ 371(अ) — कन्द्रीय सरकार ने बाद्यागिक विवाद धार्धानयम 1917 (1917 का 11) की धारा 2 व खड (व) व उपखड (1) ए अनुसरण में, यम जारा पुनवास मलालय (श्रम विभाग) की सरकारों श्रविस्ताना म या का आ 457 (श), नारीष्ट्र 1 जून, 1981 के तहन, खनिज नेल (ग्रपरिष्ट्रज तल) मान्टर और विमानन स्प्रिट डीजल तेल, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल, विविध हाइड्राकायन तत गार उनक सम्मिश्रणा जिनके अन्तरात सांज्याद्य इद्यन, स्नहक तल और इसी प्रकार की वस्तुए, म्राती है, व विनिमाण और उत्पादन में लगे उद्याग का (जिसे इसके बाद उकत उद्योग कहा गया है) उकत उप खड के प्रयाज-

नार्थ विनिर्दिष्ट किया गया था जिसे औद्योगिक (विकास और विनियमन) ग्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की घारा 2 के ग्रिधीन नियन्त्रित उद्योग के रूप में घोषित किया गया था;

भार केन्द्रीय सरकार की राप है कि जनहित में यह ग्रावश्यक है कि उक्त उद्योग को ओर दा वर्ष की ग्रावधि तक नियत्रित उद्योग के रूप में विनिविष्ट करना जारी रखा जाय:

शत: प्रत्र. अधिगिक निवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खड़ (प्र.) के उपखड़ (i) के प्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग की 21 जून, 1986 से और दो वर्ष की प्रविधि के लिए नियन्नित उद्योग के रूप में विनिद्धिंट करती है।

[एस. 11025/23/83- हैस्त-1 (ए)] करनेल मिह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LABOUR NOTIFICATION

New Delhi, the 20th June, 1986

S.O. 371(E).—Whereas by Government Notification in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) No. S.O. 457(E), dated the 21st June, 1984, the Central Government had, in pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), specified for the purposes of that sub-clause, the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil), notor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like (hereinafter referend to as the said industry) which has been declared as a controlled industry under section 2 of the Industries (Development and Regulac tion) Act. 1951 (65 of 1951).

And whereas the Central Government is of the opinion that in the public interest it is necessary that the said industry be continued to be specified as the controlled industry for a further period of two years;

Now, therefore, in pursuance of sub-clause (i) of clause (a) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby specifics, for a further period of two years from the 21st June, 1986 the said industry as the controlled industry.

[File No. S-11025_[23 83-D.1(A)] KARNAIL SINGH, Jt. Secy.